



लखनऊ

वर्ष: 15 | अंक: 197

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

बुधवार | 01 मई, 2024

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन से हार्ट अटैक का खतरा: ब्रिटिश कंपनी ने कोर्ट में माना, भारत में इसी फॉर्मूले से बनी कोवीशील्ड के 175 करोड़ डोज लगे

कोवीशील्ड वैक्सीन से हो सकता है हार्ट अटैक!

- फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उसकी कोविड-19 वैक्सीन से टीटीएस हो सकता है।
- उसने यह भी कहा कि वैक्सीन के कारण यह होना बेदूबम है।
- टीटीएस के कारण खुन के थक्के जम सकते हैं जो शरीर को गंभीर चोट पहुंचा सकते हैं।
- टैक्सानिकों ने अप्रैल 2021 में वैक्सीन से होने वाली बीमारी की पहचान की।

जन एक्सप्रेस/एजेंसी | नई दिल्ली

ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी कोविड-19 वैक्सीन से खरानाका साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि ऐसा बहुत रेपर (दुर्लभ) मामलों में ही होता है। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में रीसम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है। ब्रिटिश मीडिया टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका पर आरोप है कि उनकी वैक्सीन से कई लोगों की मौत हो गई। कई कई अन्य को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट में 51 केस चल रहे हैं। पीड़ितों ने एस्ट्राजेनेका से करीब 1 हजार करोड़ का जर्जान मांगा है। ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा किए गए दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उनकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थोरोरिस्स थ्रोमोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी अज्ञात हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खुन के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या घिर जाती है।

एस्ट्राजेनेका ने बचाई 60 लाख लोगों की जान

कंपनी ने यह भी दावा किया है कि उन्होंने अप्रैल 2021 में ही प्रोटोकल इफेक्ट्स में कुछ मामलों में अंतर के खतरे की बात शामिल की थी। कई रक्तीय में यह सांकेतिक हुआ है कि कोरोना महामारी के दौरान एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन आने के बाद पहले साल में ही कोरोना की गंभीरता बढ़ गई। एस्ट्राजेनेका ने भी कहा कि जम जाते हैं। यह एक बात यहां तक की है कि उस साल यह उसका ज्यादा की उम्र वाले लोगों के लिए यह वैक्सीन सुरक्षित और असरदार है। इसकी लॉन्चिंग के बाद ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इसे ब्रिटिश साइंस के लिए एक बड़ी जीत बताया था।

भारत में भी शुरू हो सकते हैं मुकदमे

भारत में कोविड के बाद ऐसी मौतों की संख्या अत्यधिक बढ़ गई थी, जिनमें कारण का एक पांच लाख लोगों की जान नहीं रही थी। इनमें से अधिकांश को किसी न किसी शारीरिक समस्या से जैव रक्त देखा गया और सरकार व स्वास्थ्य जमाने ने यह कभी नहीं माना कि कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण ऐसा हो सकता है। अब कंपनी की इस स्थीकारिता के बाद भारत में भी मुकदमों का दौर शुरू होने की संभावना है।

कंपनी से मुआवजे की मांग

कोर्ट पहुंचे शिकायतकारियों ने शरीर को पहुंचे नुकसान के लिए कामी से शांतिरूपी की मांग की है। खास बात हो गई है कि ब्रिटेन में इस वैक्सीन पर अब सुरक्षा कार्यालयों से रोक लगा दी गई। कंपनी के इस स्थीकारिता के बाद अब मुआवजा मांगने वालों की संख्या भी बढ़ सकती है।

दो साल पहले भी कहा था, बुस्टर डोज की जरूरत नहीं-डॉ. संजय के राय एस्स के काम्युनिटी में डिविनिंग के प्रैफेसर डॉक्टर संजय के राय का कहना है कि एस्ट्राजेनेका जो बात आज कर रही है, वही दो साल पहले मैंने कहा था। उस समय राय नहीं थी कि बुस्टर डोज फायदे से ज्यादा नुकसान कर सकती है। शुरुआत में जब अधिक लोग संक्रमित नहीं थे, तब लोगों में हड्डी इम्यूनिटी नहीं थी और वैक्सीन की जरूरत थी ताकि बीमारी की गंभीरता और मौत के आंकड़ों को कम किया जा सके। किसी भी वायरस से बचने के लिए नेचुरल इम्यूनिटी जरूरी होती है। रही बात वैक्सीन से थक्के जमने के बारे में तो इसके लिए शोध जरूरी है।

शायद ही कभी ऐसी रिश्तियां विकसित होती हैं-डब्ल्यूएचओ डब्ल्यूएचओ ने एडेनोवायरस वैक्टर टीकों को लेकर कहा है कि इनसे शायद ही कभी ऐसी रिश्तियां विकसित होती हैं। सामै इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कोवीशील्ड नामक कोविड-19 रीथी टीकों का उत्पादन किया, लेकिन एमरजन एलेटर्फॉर्म का उत्पादन नहीं किया। इसे वायरल वैक्टर एंटोफॉर्म का इस्टेमोल कर तैयार किया गया है। वैक्सीन में एक चिंपैंजी एडेनोवायरस को संयोजित किया गया था, ताकि यह मनुषों की कोशिकाओं में कोविड-19 स्पाइक्स प्रोटीन ले जाने में सक्षम हो सकते।

आज रामलला के दर्शन करेंगी राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू सरयू पूजन और हनुमान आरती में भी होंगी शामिल



राष्ट्रपति के आगमन पर सख्त रहेगा सुरक्षा धरा

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू के आगमन पर तुधुवार को जिते में सुरक्षा वैरा सख्त रहेगा। प्रोपोर्ट के लिए बाजारी वैक्टर टीकों को लेकर बीमारियों को अल्टीमेट रूप से रोक देने की उम्मीद है। इनमें से अधिकांश को किसी न किसी शारीरिक समस्या से जैव रक्त देखा गया और सरकार व स्वास्थ्य जमाने ने यह कभी नहीं माना कि वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण ऐसा हो सकता है। अब कंपनी की इस स्थीकारिता के बाद भारत में भी मुकदमों का दौर शुरू होने की संभावना है।

○ राष्ट्रपति के मार्ग में पड़ने वाले सभी होटल, धर्मशालाओं, लॉज को भी खंगाल गया।

जन एक्सप्रेस | अयोध्या

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

○ राष्ट्रपति के मार्ग में पड़ने वाले सभी होटल, धर्मशालाओं, लॉज को भी खंगाल गया।

जन एक्सप्रेस | अयोध्या

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां से नहुमानगढ़ी के लिए रवाना होगी। शाम 4.50 बजे हनुमंत लला की ओर से किया जायगा।

राष्ट्रपति द्वौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या आएंगी। उनका आगमन शम चार बजे मध्यसंहारीकारी अंतर्राष्ट्रीय वर्षाई अड्डे पर होगा। यहां

